त्रिभुवन

रागम्: हम्सानन्दि; ताळम्: आदि
रचयिता: तंगम् परमेश्वरन्

पल्लवि
त्रिभुवन रक्षक कीर्ति विनायक
त्रिपुर सुन्दरी वर शिव बाला

अनुपल्लवि
मुनिजन वन्दित मूषिक वाहन
कुन्जर मुख करुणा सदन

चरणम्
व्यासमुनि सहितं महा
भारत गाथा लिखिथम्
चतुर्ति दिनॆ सद्भक्त जन
पूजितम् विघ्नॆश्वरम्

मानव जीवन मार्ग बन्धॊ
दर्शन कान्त दया सिन्धॊ

©Copyright 2001-2015, Thangam Parameswaran, Orleans Ontario Canada